जो सरकार बनाने की बात करते थे, वे दहाई के आंकड़े में भी नहीं पहुंच पाए : शेखावत

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने जोधपुर में मीडिया से बात की

- **बिहार की जनता ने प्रचंड बहुमत एनडीए को देकर यह स्पष्ट संकेत दिया है कि देश में अब यदि किसी भी तरह की राजनीति का कोई मुद्दा रहेगा तो वह केवल विकास आधारित ही रहेगा : शेखावत**
- **'अंता उपचुनाव में भाजपा की हार के जो कुछ भी कारण रहे, निश्चित रूप से यह आत्मवलोकन का विषय है, हम सब मिलकर इस पर विचार करेंगे और इस पर आगे हम किस तरह से भाजपा की सरकार की नीतियों का प्रभाव जनता के हृदय तक पहुंचाएं, इस पर निश्चित रूप से कार्य करेंगे'**

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि झूठे नैरेटिव गढ़कर, वोट चोरी जैसे अर्थहीन, आधारहीन आक्षेप लगाकर और संवैधानिक संस्थाओं के ऊपर अनेक तरह के भ्रमजाल फैलाने का प्रयास करके वोट प्राप्त करने की कोशिश को अब जनता स्वीकार नहीं करेगी। बिहार चुनाव ने इस एक बात को बहुत अच्छी तरीके से इस देश के सामने स्पष्ट कर दिया है। शनिवार को अपने गृह जनपद पहुंचे शेखावत ने मीडिया से बातचीत में बिहार चुनाव के नतीजों पर कहा कि भाजपा और एनडीए गठबंधन के सभी घटक दलों ने जिस तरह से एकजुटता का परिचय देते हुए अपनी सामूहिक संगठनात्मक शक्ति का परस्पर उपयोग करके चुनाव लड़ा, उसके साथ-साथ बिहार के चुनाव में जो मुख्य मुद्दा जंगल राज बनाम विकासवाद का था, इन दोनों के बीच जनता को चुनाव करना था। जनता ने प्रचंड बहुमत एनड़ीए को देकर यह स्पष्ट संकेत दिया है कि इस देश में अब यदि किसी भी तरह की राजनीति का कोई मुद्दा रहेगा तो वह केवल और केवल विकास-आधारित ही रहेगा।

शेखावत ने कहा कि सामान्यत: देश में अनेक ऐसे उदाहरण देखने को मिल सकते हैं, जब देश की जनता ने परिवर्तन के लिए घर से बाहर निकलकर औसत से अधिक मतदान किया हो, लेकिन इस बार पहली बार देश की जनता ने नकारात्मक राजनीति करने वाले और झूठ की राजनीति करने वाले लोगों को जवाब देने के लिए, औसत से कहीं अधिक मतदान करके प्रचंड बहुमत के साथ एनडीए गठबंधन की सरकार बनाकर का स्पष्ट संदेश दिया है कि अब देश में झूठ की राजनीति के लिए कोई स्थान नहीं बचा है। विपक्ष को लेकर शेखावत ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और आरजेडी के नेताओं ने जिस तरह से हल्के स्तर पर चुनाव को ले जाने का प्रयास किया था, जिस तरह की हल्की टिप्पणियां की गई थी। प्रधानमंत्री की माताजी से लेकर छठ मैया तक किसी को भी उन्होंने नहीं बख्शा था। बिहार की जनता ने जवाब दिया है। कांग्रेस का नाम लिए बगैर शेखावत ने कहा कि जो सरकार बनाने की बात करते थे, वे दहाई के आंकड़े में भी नहीं पहुंच पाए। यह स्पष्ट हो गया है कि अब देश में केवल और केवल विकास की राजनीति व विकास के एजेंडा को ही देश की जनता स्वीकार करने वाली है।

अंता उपचुनाव में भाजपा की हार के सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उपचुनाव कई विषयों से जुड़े होते हैं और उपचुनाव को किसी आम चुनाव के बराबर करके नहीं देखा जा सकता। अंता विधानसभा को आज से लेकर जब से चुनाव प्रारंभ है, तब से लेकर आज तक देखा जाए तो वैसे भी केवल दो बार को छोड़कर अधिकांश समय यह विधानसभा भाजपा के खाते में नहीं आ पाई। जो कुछ भी कारण रहे, जो कुछ भी विषय रहे, निश्चित रूप से यह आत्मवलोकन का विषय है। हम सब मिलकर इस पर विचार करेंगे और इस पर आगे हम किस तरह से भाजपा की सरकार की नीतियों का प्रभाव जनता के हृदय तक पहुंचाएं, इस पर निश्चित रूप से कार्य करेंगे।

केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत का आज दिल्ली से सुबह जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचने पर छात्र जीवन के साथी एवं शेरगढ़ के विधायक बाबू सिंह राठौड़ ने स्वागत किया। केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने गले मिलकर बाबू सिंह राठौड़ को जन्मदिन की बधाई शुभकामना दी। उन्होंने शेखावत का बालाजी भगवान का प्रसाद खिलाकर मुंह मीठा कराया।

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर तिरंगा यात्रा निकाली

हनुमानगढ़ में ''जनजातीय गौरव दिवस'' पर तिरंगा यात्रा निकाली।

हनुमानगढ़, (निसं.)। केंद्र सरकार द्वारा 2021 में आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद करने के लिए भगवान बिरसा मुंडा की जयंती, 15 नवंबर को ''जनजातीय गौरव दिवस'' के रूप में घोषित किया गया था। आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी और मुंडा जनजाति के लोक नायक, ब्रिटिश राज में 19वीं शताब्दी के अंत में बंगाल प्रेसीडेंसी (अब झारखंड) में आदिवासी धार्मिक आंदोलन के नेतृत्वकर्ता भगवान बिरसा मुंडा को आदिवासी भगवान मानते हैं और ''धरती आबा'' कहते हैं। बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर शनिवार को जिला मुख्यालय पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम से पहले अम्बेडकर चौक से कलेक्ट्रेट होते हुए सिविल लाइन स्थित सामुदायिक भवन तक विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। तिरंगा यात्रा से पहले अम्बेडकर चौक पर डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किए गए।

जंक्शन के सिविल लाइन स्थित सामुदायिक भवन में जिला स्तरीय कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में अतिथियों ने आदिवासी महापुरुषों के योगदान को दर्शाती जिला स्तरीय प्रदर्शनी का अवलोकन किया। डूंगरपुर से राज्य स्तरीय कार्यक्रम तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में हुए मुख्य कार्यक्रम का जिला स्तरीय कार्यक्रम में लाइव प्रसारण किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में लाभार्थियों को प्रॉपर्टी कार्ड एवं भूखंडों के पट्टे वितरित किए गए। एनएमपीजी कॉलेज के सहायक आचार्य सिद्धार्थ राव ने बिरसा मुंडा के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव सहित जनप्रतिनिधि अमित चौधरी, बीजेपी जिलाध्यक्ष प्रमोद डेलू, हनुमानगढ़ विधायक गणेश राज बंसल, विकास गुप्ता, देवेंद्र पारीक, आशीष पारीक, ओम सोनी, जिला परिषद सीईओ ओपी बिश्नोई, नगर परिषद आयुक्त सुरेंद्र यादव, सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा, सीडीईओ पन्नालाल कड़ेला, डीओआईटी संयुक्त निदेशक योगेंद्र कुमार सहित बड़ी संख्या में महिलाएं, स्कूली विद्यार्थी, एनसीसी एवं स्काउट कैडेट्स मौजूद रहे।

ट्रक और कार की भिड़ंत में दो जने गंभीर घायल

मांडल रेलवे ओवरब्रिज के खतरनाक घुमाव पर हुये हादसे में कार आगे से क्षतिग्रस्त हो गई।

- **कार सवार लोग पाली से सांवरिया सेठ दर्शन के लिए जा रहे थे**

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल रेलवे ओवरब्रिज के खतरनाक घुमाव पर शनिवार तड़के करीब तीन बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें ट्रक और कार में जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में कार सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। गनीमत रही कि टक्कर के बाद भी कार पुलिया के ऊपर से नीचे नहीं गिरी, वरना बड़ा हादसा हो सकता था।

जानकारी के अनुसार शंकर (35) पुत्र कानाराम माली तथा पंकज पुत्र झालाराम, निवासी सोजत सिटी, पाली से सांवरिया सेठ दर्शन के लिए जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार ओवरब्रिज के खतरनाक मोड़ पर पहुंची, सामने से आ रहे ट्रक से कार की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों युवक गंभीर घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मांडल पुलिस तथा 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। 108 के पायलट प्रभु प्रजापत एवं मेल नर्स गिरिराज पायक ने घायलों को प्राथमिक उपचार देकर तुरंत महात्मा गांधी जिला चिकित्सालय, भीलवाड़ा पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। गौरतलब है कि मांडल ओवरब्रिज पर निर्माण समय से ही दो मोड़ के बीच खतरनाक और अप्राकृतिक घुमाव छोड़ा गया है। इसी तकनीकी खामी के कारण इस स्थान पर अब तक सैकड़ों दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जबकि लगभग एक दर्जन लोगों की जान भी जा चुकी है। स्थानीय लोग कई बार इस मोड़ के पुनर्निर्माण व सुधार की मांग कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द सुधार नहीं किया गया, तो यह मोड़ और बड़ी दुर्घटनाओं को दावत देता रहेगा।

लूट प्रकरण में नौकरानी सहित तीन गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। प्रतापनगर थाना क्षैत्र में नकाबपोश बदमाशों ने घर में घुसकर महिला की हत्या या लूट की वारदात को अंजाम देने का असफल प्रयास करने वाली नौकरानी सहित तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 12 नवंबर को पीड़ित मितेश पुत्र कमल किशोर गोलछा निवासी उदयविहार कॉलोनी प्रतापनगर ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया, जिसमें उसने बताया कि अपरान्ह में मेरी मां घर पर थी। इस दौरान नकाबपोश दो बदमाश मकान में घुसे तथा मां के गले पर हमला कर चाकू लाने की बात बोल रहे थे। इस दौरान मां व वहां मौजूद नौकरानी के चिल्लाने पर पकड़े जाने के भय से दोनों बदमाश बाहर बाइक पर खड़े साथी के साथ फरार हो गए।

मामले में प्रकरण दर्ज होने पर प्रतापनगर थानाधिकारी राजेन्द्रसिंह चारण के नेतृत्व में टीम ने अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर प्रदीप परदेशी उर्फ प्रेक्षु उर्फ ओमप्रकाश परदेशी, रितिका विग पुत्री संजय विग तथा रेखा मेघवाल पत्नी रोशन मेघवाल को गिरफ्तार किया। अनुसंधान में पता चला कि नौकरानी रेखा का भाई कमलेश मेघवाल पूर्व में लूट के मामलों में चालानशुदा है, जिससे पूछताछ की तो उसने संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। इस पर प्रदीप परदेशी को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर उसने वारदात करना कबूल किया था। पूछताछ में उसने बताया कि कमलेश मेघवाल की बहन रेखा तथा उसकी महिला मित्र रितिका ने उक्त मकान से नकदी व गहने चोरी का प्लान बनाया तथा मुझे लोकेश मेघवाल व कमलेश मेघवाल को प्लान में शामिल किया। प्लान के अनुसार मकान मालिक के घर से बाहर जाने पर रेखा मेघवाल ने रितिका को सूचित किया ताकि रितिका के बताए अनुसार हमने घटना की। आरोपी कमलेश, लोकेश तथा प्रदीप तीनों ही शातिर अपराधी होकर पूर्व में लूट व लड़ाई झगड़े के मामलों में चालानशुदा है।

अवैध शराब समेत दो आरोपी गिरफ्तार : उदयपुर के सविना थाना पुलिस ने अवैध शराब से भरी केन मय कार जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। सविना थानाधिकारी अजयसिंह व डीएसटी प्रभारी विक्रम सिंह के नेतृत्व में गठित दल ने बिलिया में गुप्तेश्वर महादेव रोड़ पर स्थित गोदाम पर दबीश दी। जहां जितेन्द्र खटीक व रतनसिंह के कब्जे से किराए के गोदाम में रखी शराब बीयर की 500 एमएल के 43 केन व अन्य शराब की 500 एमएल के 866 केन सहित909 केनों को जब्त कर मौके से केनों को ड्रम में पैकिंग करने में प्रयुक्त सामग्री व कार जब्त कर दोनों को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया।

अवैध शराब पर आबकारी विभाग की कार्रवाई

आबकारी विभाग की टीम ने 110 लीटर हथकड़ शराब जब्त की।

भीलवाड़ा, (निसं)। मंगरोप क्षेत्र में आबकारी विभाग की टीम ने अवैध शराब बनाने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 2400 लीटर वॉश नष्ट की और 110 लीटर हथकड़ शराब जब्त की।

जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई पेट्रोलिंग ऑफिसर धोलाराम विश्नोई के नेतृत्व में की गई। टीम को सूचना मिली थी कि क्षेत्र में गंदे पानी से अवैध रूप से शराब तैयार की जा रही है। कार्रवाई के दौरान मौके पर कई भट्टियां भी मिली, जिनसे शराब का उत्पादन किया जा रहा था। इन सभी भट्टियों को तोड़कर नष्ट किया गया।

बताया जा रहा है कि गंदे पानी से तैयार की जा रही यह शराब स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक थी। विभाग ने इस प्रकार की गतिविधियों पर सख्त नजर रखते हुए आगे भी ऐसी कार्रवाइयां जारी रखने का संकल्प जताया है। अधिकारियों का कहना है कि अवैध शराब निर्माण और बिक्री पर रोक लगाने के लिए नियमित रूप से छापेमारी अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि क्षेत्र में जनस्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था बनी रहे।

कल्याणी अवार्ड्स-2025 का आयोजन

भीलवाड़ा, (निसं)। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उद्यिमता एवं आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से गठित कल्याणी फाउंडेशन द्वारा निजी रिसॉर्ट में आयोजित कल्याणी अवार्ड्स 2025 के तहत अपने क्षेत्र में सफल 11 महिलाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अतिविशिष्ट अतिथि मिसेज इंडिया इंटरनेशनल सिद्धी जौहरी को भी मुख्य अतिथि विधायक अशोक कोठारी, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, विशिष्ट अतिथि एकता ओस्तवाल, टीना सोनी, फाउंडेशन अध्यक्ष दिव्या बोरदिया ने प्राउड वुमन ऑफ इंडिया अवार्ड से नवाजा।

अवॉर्ड समारोह में मिसेज इंडिया इंटरनेशनल सिद्धी जौहरी ने कहा कि शहर में विभिन्न क्षेत्रों की सफल महिलाओं का चयन कर एक माला में पिरोकर कल्याणी फाउंडेशन ने मिसाल कायम की है। उन्होंने महिलाओं को प्रेरक संदेश देते हुए कहा कि वे अपने काम के साथ परिवार, मेडिटेशन और स्वास्थ्य को लेकर भी जागरूक रहें। इन सभी का सामंजस्य ही सफलता की सीढ़ी बनेगी। विधायक अशोक कोठारी ने कहा कि महिलाएं अलग अलग क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं। उनको एक प्लेटफार्म पर लाकर सम्मानित करना सभी के लिए प्रेरणा बनेगी। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने सम्मानित होने वाली महिलाओं को शुभकामनाएं देते हुए आयोजन को ऐतिहासिक बताया। इससे पूर्व कल्याणी फाउंडेशन की अध्यक्ष दिव्या बोरदिया ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि अपने नाम के अनुरूप फाउंडेशन महिलाओं को पहचान दिलाने से लेकर सम्मान दिलाने तक की मुहिम के साथ काम कर रहा है। रेणु जैन द्वारा गणेश वंदना के साथ प्रारंभ समारोह में सुविख्यात गायिका चुनौती नाहर ने महिला शक्ति को समर्पित गीत का संगान किया।

बाइकों की भिड़ंत एक की मौत

जोधपुर, (कासं)। डांगियावास स्थित कांकेलाव गांव में दो बाइक की भिड़ंत हो गई। एक बाइक सवार घायल हो गया, जिसकी अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि कांकेलाव निवासी देवेंद्र प्रजापत की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसके पिता बिरमाराम प्रजापत बाइक लेकर 11 नवंबर को कांकेलाव गांव की सरहद से निकल रहे थे। तब एक अन्य बाइक सवार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

दुष्कर्म के दो आरोपियों को आजीवन कारावास

जालोर, (का.सं.)। पॉक्सो न्यायालय जालोर के विशिष्ट न्यायाधीश प्रमोद कुमार मलिक ने शुक्रवार को नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने के दो आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। विशिष्ट लोक अभियोजक रणजीतसिंह राजपुरोहित के अनुसार पीड़िता की माता ने एक पुलिस थाना में रिपोर्ट पेश कर बताया कि 9 अप्रैल 2025 को सुबह नाबालिग पुत्री घर से स्कूल जा रही थी। तब मैन रोड पर एक ब्रेजा कार में सवार होकर आये दाउद खां व रफीक खां दोनों ने उसकी नाबालिग पुत्री को जबरन शादी करने की नियत से पकड़कर गाड़ी में डालकर भगाकर ले गये। लेकिन रास्ते में गाड़ी रोकी। उस दौरान उसकी नाबालिग पुत्री मौका देखकर गाड़ी से उतर अपने मामा के घर चली गई। उसके बाद पुलिस ने रिपोर्ट दी।

पीड़िता ने घर आकर बताया कि वह घर से स्कूल जा रही थी, तब दाउद खा व रफीक खान उसे भगाकर ले गये तथा दाउद खान ने उसके साथ गलत काम किया। रफीक खान गाड़ी चल रहा था। यदि वह मौके देखकर नही भागती तो ये लोग उसे आगे लेकर चले जाते।

उक्त रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से सत्तराह गवाह के बयान लेखबद्ध किये गये। पॉक्सो न्यायालय के न्यायाधीश प्रमोद कुमार मलिक ने दोनो पक्षों की बहस सुनने व पत्रावली का अवलोकन करने के बाद दाउद खान को नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने तथा रफीक खान को आरोपी दाउद खान का सहयोग करने के लिए दोनों को सामूहिक रूप से दुष्कर्म का दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। वहीं पचास हजार रूपये के अर्थदण्ड से भी दण्डित किया गया।

झुंझुनूं विधानसभा के बीएलओ ने किया कार्य बहिष्कार

झुंझुनूं विधानसभा के बीएलओ ने कार्य बहिष्कार कर धरना दिया।

- **एसआईआर के कार्य में गति देने के लिए अब बीएलओ को टारगेट दिए जा रहे हैं, जो उनके लिए सिरदर्द बन गया है**
- **बीएलओ के साथ पहले एसडीएम कौशल्या विश्नोई और बाद में एडीएम डॉ. अजय आर्य ने वार्ता की, बाद में बीएलओ वापस लौटे**

झुंझुनूं, (निसं)। पूरे प्रदेश में एसआईआर का काम चल रहा है, लेकिन एसआईआर के कार्य में गति देने के लिए अब बीएलओ को टारगेट दिए जा रहे हैं, जो उनके लिए सिरदर्द बन गया है। इसी के चलते शनिवार को झुंझुनूं विधानसभा के बीएलओ ने कार्य बहिष्कार कर धरना शुरू कर दिया।

जानकारी के अनुसार शनिवार को झुंझुनूं विधानसभा में एसआईआर के काम को गति देने के लिए रिटर्निंग अधिकारी एसडीएम कौशल्या विश्नोई ने बीएलओ की बैठक बुलाई थी, लेकिन सभी बीएलओ बैठक में जाने की बजाय कलेक्ट्रेट पर धरने पर बैठ गए। अचानक बीएलओ के धरने की सूचना पर तहसीलदार महेंद्र मूंड पहुंचे, जिन्होंने समझाइश की और फिर जिला परिषद के सभागार के बंद कमरे में बीएलओ के साथ पहले एसडीएम कौशल्या विश्नोई और बाद में एडीएम डॉ. अजय आर्य ने वार्ता की। करीब चार घंटे की कशमकश के बाद बीएलओ वापिस लौटे।

इस मामले में जिला कलेक्टर डॉ. अरूण गर्ग ने बताया कि बीएलओ भी हमारी टीम का हिस्सा है। उनकी कुछ समस्याएं थी, जिनको सुन लिया गया है और समाधान कर रहे हैं। झुंझुनूं, मंडावा और उदयपुरवाटी विधानसभा में एसआईआर का काम धीमी गति से चल रहा है। जिसे जल्द ही तेज कर लिया जाएगा। इधर, मंडावा विधानसभा की रिटर्निंग अधिकारी मलसीसर एसडीएम सुमन देवी ने एक साथ ही 136 के करीब बीएलओ को धीमी गति में काम करने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। जिससे बीएलओ में हड़कंप मच गया है।

वहीं दूसरी तरफ झुंझुनूं विधानसभा के झुंझुनूं शहर के 10 बीएलओ पर लगाए गए सुपरवाइजर का अधिकारिक व्हाट्एपेप ग्रुप में शनिवार सुबह किया गया मैसेज भी वायरल हो रहा है, जिसमें यह सुपरवाइजर अपनी पीड़ा बताते हुए अंत में लिख रहा है कि 'चार दिसंबर तक मैं जिंदा रहूंगा या नहीं, यह भी नहीं पता।' बहरहाल, अब बीएलओ काम पर लौट आए है। जिसके बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली है।

इससे पहले झुंझुनूं में शनिवार सुबह एसआईआर कार्यक्रम को ब्रेक के साथ-साथ उस समय झटका लग गया। जब एसआईआर अभियान के दौरान बढ़ते काम के दबाव को लेकर झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र के बूथ लेवल अधिकारियों ने सुबह-सुबह ही फिल्ड में काम पर जाने की बजाय कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया और धरना दिया। बीएलओ ने आरोप लगाया था कि बिना आवश्यक सहायक स्टाफ के उनसे दोहरी जिम्मेदारियों को पूरा करने का दबाव डाला जा रहा है, जो व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। बीएलओ ने बताया कि पहले उनकी आईडी लेकर फार्म ऑनलाइन कर दिए गए। अब अचानक प्रत्येक बीएलओ पर 150 फॉर्म कलेक्ट करने और उनमें से 100 फॉर्म ऑनलाइन अपलोड करने के लिए पाबन्द किया गया है।

उनका कहना है कि फील्ड में जाकर फार्म भरवाना और साथ-साथ ऑनलाइन अपलोड करना अकेले व्यक्ति से इस टारगेट को पूरा करना सम्भव नहीं है। बीएलओ प्रतिनिधियों ने कहा कि भारी कार्यभार के बावजूद उन्हें किसी प्रकार की सहायक टीम, तकनीकी सहयोग या अतिरिक्त समय नहीं दिया जा रहा है, जिससे वे मानसिक दबाव महसूस कर रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान बीएलओ ने कलेक्टर को ज्ञापन भी सौंपा। जिसमें कार्यभार कम करने तथा सहायक स्टाफ उपलब्ध कराने की मांग शामिल है। प्रदर्शन की सूचना मिलने पर तहसीलदार मौके पर पहुंचे और उन्होंने बीएलओ से बातचीत कर स्थिति समझने की कोशिश की। उनकी समझाइश के बाद आंदोलनरत बीएलओ और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच वार्ता का दौर प्रारंभ हुआ, लेकिन इस वार्ता से भी मीडिया को दूर रखा गया और बंद कमरे में वार्ता की गई। इधर, बीएलओ ने चेतावनी दी कि यदि कार्यभार संबंधी समस्याओं का समाधान नहीं करने पर आंदोलन करने की चेतावनी दी थी।

बीकानेर की मंडियों में मूंगफली की बंपर खरीद, 10 दिन में 40 लाख बोरी उठाव

- **पिछले दस-पंद्रह दिनों में गुजरात से आए 30-40 बड़े ब्रोकरों ने बीकानेर की दो प्रमुख मंडियों से करीब 25 से 40 लाख बोरी मूंगफली का उठाव किया**
- **अचानक बढ़ी मांग से बीकानेर के किसानों को बाजार में करीब 500-700 रुपए क्विंटल की सीधी बढ़ोतरी का लाभ मिला**

बीकानेर, (निसं)। गुजरात में इस साल मूंगफली की फसल में बारिश व कटाई में देरी ने बीकानेर के कृषि बाजार को अचानक 'हॉटस्पॉट' बना दिया है। पिछले दस-पंद्रह दिनों में गुजरात से आए 30-40 बड़े ब्रोकरों ने बीकानेर की दो प्रमुख मंडियों श्रीगंगानगर रोड व पूगल रोड से करीब 25 से 40 लाख बोरी मूंगफली का रिकॉर्ड उठाव किया है। अचानक बढ़ी मांग से बीकानेर किसानों को बाजार में करीब 500-700 रुपए क्विंटल की सीधी बढ़ोतरी का लाभ मिला है।

गुजरात में दीपावली के बाद मूंगफली की बंपर आवक हर साल तय रहती है, लेकिन इस बार हालात पूरी तरह उलट गए। नवंबर के पहले पखवाड़े में गुजरात के कई मूंगफली उत्पादक जिलों में दो-दो इंच तक बारिश हो गई। खेतों में खड़ी या कट चुकी फसल की नमी बढ़ने और छिलके काले पड़ने से वहां के व्यापारियों के लिए समय पर एक्सपोर्ट का दबाव बढ़ गया। गुजरात की मंडियों में आवक शुरू होने में अभी कम से कम 10-15 दिन और लगने का अनुमान है।

ऐसे में एक्सपोर्ट शेड्यूल न बिगड़े, इसलिए गुजरात के ब्रोकरों ने बीकानेर की मंडियों की तरफ रुख कर लिया। बीकानेर देश की प्रमुख मूंगफली बेल्ट में से एक है। यहां का दाना आकार, तेल प्रतिशत और नमी अनुपात के कारण एक्सपोर्ट क्वालिटी मानकों पर खरा उतरता है। यही कारण है कि महज 10 दिनों में गुजरात से आए ब्रोकरों द्वारा 25 से 40 लाख बोरी की रिकॉर्ड खरीद दर्ज की गई। इसी मांग ने बाजार को तेजी दे दी।

पिछले सप्ताह तक जहां मूंगफली के भाव 500-700 रुपए प्रति क्विंटल नीचे चल रहे थे, वहीं शुक्रवार को श्रीगंगानगर रोड मंडी में 1.25 लाख बोरी और पूगल रोड मंडी में 40-60 हजार बोरी मूंगफली की आवक दर्ज हुई। बीकानेर जिले में इस वर्ष 2.90 लाख हेक्टेयर में मूंगफली की बिजाई हुई और कृषि विभाग के अनुमान अनुसार उत्पादन 8.70 लाख मैट्रिक टन तक पहुंच सकता है। बढ़ी हुई खरीद शक्ति से अब किसानों में तेजी से विक्रय करने का उत्साह देखा जा रहा है। दूसरी ओर, गुजरात में अपेक्षित 55 लाख बोरी के बजाय अब 40 लाख बोरी की संभावित आवक मानी जा रही है। यानी लगभग 25 प्रतिशत तक फसल अनुमान घट गया है। इसी अंतर ने बीकानेर की मंडियों को देशभर के ब्रोकरों के लिए 'रीलायबल सोर्स' बना दिया।

दी बीकानेर वूल एवं अनाज ट्रेडर्स संस्था के अध्यक्ष रामदयाल सारण ने बताया कि बीकानेर की मूंगफली गुणवत्ता, जलवायु और तेजी से उपलब्धता के कारण इस बार देशभर के खरीदारों के लिए मजबूरी नहीं, बल्कि प्राथमिक पसंद बन गई है। गुजरात में फसल देरी से जहां ब्रोकरों को नया विकल्प मिला, वहीं बीकानेर किसानों को भी वर्षों बाद अचानक उभरी बाजार मांग से बड़ा आर्थिक लाभ मिला है। आने वाले 15 दिन में गुजरात में आवक बढ़ने की उम्मीद के बीच फिलहाल बीकानेर देश की मूंगफली मंडियों का केंद्र बनी हुई है।